कुपोषण के प्रति संवेदनशीलता से कार्य करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

नवभारत न्यूज

बैतूल, 28 मई. कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की संयुक्त समीक्षा करते हुए कुपोषित बच्चों की पहचान, उपचार एवं मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

मातृत्व मृत्यु पर रहेगा जीरो टॉलरेंस

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की बैठक

उन्होंने कहा कि जिले के सभी कुपोषित बच्चों का शत-प्रतिशत सर्वे कर निर्धारित संपर्क एप पर सही एवं अद्यतन जानकारी दर्ज की जाए, ताकि बच्चों की स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने निर्देश दिए कि सीडीपीओ अपने भ्रमण के दौरान कुपोषण के वास्तविक कारणों की जानकारी लें, जिससे बेहतर कार्ययोजना तैयार की जा सके। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशाओं को बच्चों का सही वजन मापने एवं फील्ड स्तर पर दक्षता बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्रों में शत-प्रतिशत बेड ऑक्युपेंसी सुनिश्चित करने, कुपोषित बच्चों का 12 सप्ताह तक नियमित फॉलोअप लेने तथा आंगनवाड़ियों में बच्चों को थर्ड मील अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने कहा कि कुपोषण के विभिन्न कारणों को समझकर बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए कारण आधारित कार्यवाही की

जाए। बैठक में डॉ. आशीष ठाकुर ने बताया कि बच्चों के अत्यधिक कम वजन के पीछे मातृत्व स्वास्थ्य की अनदेखी एक प्रमुख कारण है। उन्होंने गर्भधारण से लेकर प्रसव तक मातृत्व स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने सीमेम कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कुपोषित बच्चों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर सुधार के निर्देश दिए। भूख जांच, एमोक्सिलिन दवा परीक्षण एवं अन्य गतिविधियों में कमी पाए जाने पर प्रभातपट्टन सीडीपीओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं समुदाय आधारित गतिविधियों, नाश्ता एवं गर्म पका भोजन कार्यक्रम में खराब प्रदर्शन पर शाहपुर, भैंसदेही एवं घोड़ाडोंगरी सीडीपीओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा प्रगति नहीं होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत प्रस्तावित 66 आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ सोनवणे ने भूमि आवंटन कर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्वीकृत बाल सुलभ शौचालयों की दो दिवस में प्रशासकीय स्वीकृति जारी करने तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एएनसी पंजीयन में कम प्रगति पर बीएमओ को नोटिस : कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मैदानी स्तर पर मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

मातृत्व मृत्यु पर रहेगा जीरो टॉलरेंस

कलेक्टर डॉ सोनवणे ने मॉडरेट एवं सीवियर एनीमिक गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं प्रबंधन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कोई भी एनीमिक महिला चिन्हांकन से न छूटे। उन्होंने कहा कि मातृत्व मृत्यु के मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने होम बेस्ड न्यू बॉर्न केयर की शत-प्रतिशत एंट्री एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ब्लॉकवार पूर्ण टीकाकरण कवरेज की समीक्षा करते हुए सभी बीएमओ को गंभीरता से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि टीकाकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कम प्रगति पर भीमपुर बीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा सभी बीएमओ को चाइल्ड डेथ रिव्यू शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए गए।

एसएनसीयू टीम की सराहना

बैठक में एसएनसीयू के सफल उपचार एवं डिस्चार्ज की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने प्री-मैच्योर एवं अतिकम वजन वाले बच्चों के सफल उपचार के लिए नोडल अधिकारी डॉ. आशीष ठाकुर एवं उनकी पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से कार्य करने से शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं की बेहतर सेवाओं के प्रति जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों का विश्वास मजबूत होता है। बैठक में सहायक कलेक्टर पुष्पराज खोट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास गौतम अधिकारी सहित सभी बीएमओ, सीडीपीओ एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

एक नजर में

रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 2 वाहन जप्त

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत खनिज विभाग बैतूल द्वारा 28 मई को खनिज अमले के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। सहायक खनि अधिकारी बैतूल द्वारा खनिज अमले के साथ चिचोली क्षेत्रांतर्गत ग्राम चिरापाटला के पास से खनिज रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 02 वाहन ट्रैक्टर-ट्राली क्रमांक एमपी 48 जेडई 7147 एवं एमपी 48 ए 9847 को जप्त कर वन परिक्षेत्र गवासेन रेंज की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। मौके पर वाहन चालक द्वारा बताया गया कि वह वाहन मालिकों के कहने पर ग्राम धामन्या से लाई गई रेत को भरकर ग्राम राजा बरारी विक्रय करने के लिए ले जा रहा था, जिसके संबंध में उसके पास कोई ईटीपी/अभिवहन पारपत्र नहीं है। उपरोक्त अवैध परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर प्रकरणों को न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है।

सीखा मिट्टी परीक्षण का सही सैंपल कैसे लें

बैतूल। बैतूल ब्लॉक के ग्राम चिचढ़ाना में गुरुवार को दोपहर 11:00 बजे दिशा दृष्टि फाउंडेशन के तत्वावधान में किसानों को खेत की मिट्टी परीक्षण हेतु सैंपल एकत्र करने की वैज्ञानिक विधि का सजीव प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. विजय वर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। डॉ. वर्मा ने बताया कि मिट्टी परीक्षण के लिए खेत में 9 इंच गहरा वी आकार का गड्ढा खोदें। इसके बाद गड्ढे की आमने-सामने की दीवारों से लकड़ी के औजार की मदद से मिट्टी खुरचकर निकालें। एक गड्ढे से लगभग एक से डेढ़ किलो मिट्टी एकत्र होनी चाहिए। उन्होंने विशेष सावधानी बताई कि मिट्टी के सैंपल हमेशा खेत के उन हिस्सों से लें जहां पेड़ की छांव न हो, गोबर आदि का भंडारण न किया गया हो तथा जहां पानी थमता हो, ऐसे स्थानों को छोड़कर ही सैंपल एकत्रित किया जाए। डॉ. वर्मा ने समझाया कि खेत के अलग-अलग हिस्सों से 5-6 गड्ढे खोदकर मिट्टी एकत्र करें।

माचना नदी को जलकुंभी मुक्त बनाने नपा का विशेष अभियान जारी

बैतूल। नगर की जीवनदायिनी माचना नदी में लंबे समय से फैली जलकुंभी की गंभीर समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, विधायक बैतूल हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन एवं निरंतर निगरानी में संचालित किया जा रहा है। विधायक द्वारा नगर की इस गंभीर पर्यावरणीय समस्या को प्राथमिकता देते हुए नगर पालिका प्रशासन को शीघ्र एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। विगत कई वर्षों से माचना नदी में जलकुंभी का अत्यधिक विस्तार हो

गया था, जिसके कारण नदी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हो रहा था। इसके साथ ही जल प्रदूषण, दुर्गंध एवं नदी में रहने वाले जलीय जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर भी खतरा उत्पन्न होने लगा था। नदी के आसपास निवासरत नागरिकों को भी लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर नगर के अनेक समाजसेवी, पर्यावरण प्रेमी एवं सामाजिक संस्थाएं लगातार सक्रिय थीं। विशेष रूप से ग्रीन टाइगर सहित अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा समय-समय पर श्रमदान एवं जागरूकता अभियान चलाकर जलकुंभी हटाने के प्रयास किए गए, किंतु जलकुंभी के अत्यधिक विकराल रूप धारण कर लेने के कारण समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं हो पा रहा था। नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा इस विषय में विशेषज्ञों एवं तकनीकी जानकारों से विस्तृत चर्चा की गई। जलकुंभी को हटाने हेतु रासायनिक (केमिकल) उपायों पर भी विचार किया गया, किंतु विधायक ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि नदी के पर्यावरण एवं जलीय जीवों की सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता न किया जाए।

नपा कार्यालय पर पार्षद पतियों का दबदबा : इलियास

सारनी। जिले की सबसे बडी नगरपालिका सारनी में पार्षद पतियों का दबदबा बना हुआ है। वार्डों में निर्माण कार्यों, साफ सफाई एवं पेयजल सप्लाई में पार्षद पतियों का तुती बोलती है। यह आरोपी झुग्गी झोपड़ी महासंघ के जिला अध्यक्ष मोहम्मद इलियास ने लगाये है। उन्होंने कहा कि सीएमओ से लेकर सभी कर्मचारी पार्षद पतियों की दादागिरी से परेशान है। इतना ही नहीं पार्षद पति वार्डों के सभी कामों में अनावश्यक हस्तक्षेप के अलावा जातिवाद एवं पार्टी बाजी करते है। पार्षद पति आज कल से नहीं सालो से नपा के सभी कामों में दखल अंदाजी कर

रहे है, हालांकि पार्षद पतियों की कई बार शिकायत भी हो चुकी है। मोहम्मद इलियास ने कहा कि शासन ने नपा एवं पंचायत चुनाव महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया है। नपा सारनी के 36 वार्डो में 18 महिला पार्षद चुनकर आई है, परन्तु नपा कार्यालय में परिषद की बैठक में हिस्सा लेने के बाद नजर नहीं आती है। महिला पार्षद का काम उनके पति करते है। महिला पार्षद वार्डो एवं नपा कार्यालय में कभी कभी दर्शन दे देती है। महिलाओं को चुनाव में आरक्षण केवल दिखावा साबित हो रहा है। पार्षद पतियों की मनमानी एवं अनावश्यक दखल अंदाजी पर रोक लगाने की मांग की है।

सूदखोरी के खिलाफ आंदोलन करेगा मानव अधिकार संगठन

पाथाखेड़ा। सारनी क्षेत्र में बढ़ती अवैध सूदखोरी और ब्याजखोरी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन ने बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। सारनी के अपर गेस्ट हाउस एबी टाइप में आयोजित बैठक में संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि सूदखोरी के जाल में फंसकर कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं और लगातार आत्महत्याओं जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। जिला अध्यक्ष सतीश बौरासी ने कहा कि संगठन आम लोगों को आर्थिक शोषण से बचाने के लिए संघर्ष करेगा। जिला महामंत्री संतोष कैथवास ने बताया कि ब्याज के दबाव और मानसिक प्रताड़ना के कारण क्षेत्र में कई लोगों की जान जा चुकी है तथा पीड़ित परिवार आज भी संकट में जीवन जी रहे हैं। जिला प्रभारी संजय अग्रवाल ने कहा कि संगठन जल्द ही कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जिले में विशेष अभियान चलाने की मांग करेगा। बैठक में जय शिंदे, दीपिका बौरासी, मुकेश सोनी, ओंकार सिंह, राजेश वागद्रे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

विभिन्न इलाकों में पहुंचकर दिया योग प्रशिक्षण

बैतूल। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भारत भारती जामठी बैतूल द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 100 दिवसीय नि:शुल्क योग प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

गुरुवार 28 मई को महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. हिमांशु मालवीय तथा इंटरनी वैभव, रुषिका एवं यशस्वी द्वारा बैतूल-बडोरा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पहुंचकर योग प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही जिले के अलग-अलग गांवों में जाकर लोगों को योगाभ्यास कराया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें।

महाविद्यालय प्रबंधन के अनुसार यह नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर 21 जून तक जिले के विभिन्न स्थानों पर लगातार आयोजित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य आमजन को योग से जोड़कर स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है। आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली एवं संचालनालय आयुष विभाग मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार आयोजित इस विशेष अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को योग का प्रशिक्षण देकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

गर्मी में पानी की किल्लत पर इसके महत्व का पता चलता है

बैतूल। पानी के लिए जिले में ही नहीं देश के कई हिस्सों में आंदोलन हो रहें हैं। इस भीषण गर्मी में पानी के महत्व का पता चलता है।

ग्राम लोहारिया मे मध्य प्रदेश जन अभियान एवं ग्राम द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत दशहरा पर्व का आयोजन किया गया कार्यक्रम के तहत रैली निकाली गई। शिव मंदिर पहुंच कर जल अभिषेक किया गया साथ ही जल बचाने की शपथ दिलाई गई। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के परामर्शदाता आशीष कोकने ने कहा कि जब गर्मी में पानी की किल्लत होती है तभी हमें जल का महत्व पता चलता है। इससे सबक लेते हुए आगामी वर्षा ऋतु में पानी को वाटर हार्वेस्टिंग के द्वारा सहेजे और व्यर्थ पानी ना बहाएं। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजू बी आठनेर, सुनील सिंह पवार, प्रमोद जागरे, एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री रामप्रसाद पटने, सचिव दुर्गेश मनोते, वंश जागरे, प्रवीण उइके, सुरेश मोहने, सुधा मोहने, सुनीता जागरे, ज्योति जागरे दुलारी उइके, संगीता उइके, उषा उइके सहित ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

मुस्कान की पाठशाला बना ब्रह्मकुमारीज समर कैंप

बैतूल। ब्रह्मकुमारीज के भाग्य विधाता भवन, बैतूल में आयोजित पांच दिवसीय आवासीय समर कैंप उत्साह एवं उमंग के साथ जारी है। इस संस्कारमय शिविर में लगभग 70 बच्चे सहभागिता कर रहे हैं।

सेवा केंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, नैतिक मूल्यों के संवर्धन एवं सकारात्मक जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस विशेष समर कैंप का आयोजन किया गया है। पांच दिनों तक बच्चे यहां रहकर राजयोग मेडिटेशन, व्यक्तित्व विकास, नैतिक शिक्षा, सकारात्मक चिंतन, रचनात्मक

गतिविधियों, प्रेरणादायी खेलों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने की कला सीख रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में बच्चों को आत्मविश्वास, अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व क्षमता एवं एकाग्रता जैसे गुणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। साथ ही बच्चों को तनाव मुक्त एवं खुशहाल जीवन जीने के लिए आध्यात्मिक मूल्यों से भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। समर कैंप का वातावरण आनंद, अनुशासन एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर दिखाई दे रहा है।

चेकिंग पाइंट लगाकर आरटीओ कर रहे वाहनों की जांच, वसूली के आरोप!

मुलताई। क्षेत्र मे मुलताई बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ससुन्द्रा मे आरटीओ चेकपोस्ट पर पाईंट लगाकर जमकर वसूली की जा रही है। इसी तरह का कार्य खवासा बार्डर पर चल रहा था, जहां पर नाराज वाहन चालको ने हंगामा मचा दिया एवं आगजनी की घटना को अंजाम दिया। ठीक इसी तरह की कार्यप्रणाली मुलताई ससुंद्रा चेकपोस्ट पर भी जारी है जिससे ऐसा प्रतीत होता है खवासा बार्डर जैसी घटना यहां पर भी घटित ना हो जाए। गौरतलब है की मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश के समस्त आरटीओ चेक पोस्ट बंद कर दिए गए थे। जिसके बाद

माह अप्रैल 2026 में उच्च न्यायालय द्वारा आरटीओ चेक पोस्ट पुन प्रारंभ करने के आदेश हुए थे,जिसकी रिव्यु पिटीशन दायर होने के बाद मई 2026 के दूसरे सप्ताह में उच्च न्यायालय द्वारा उक्त आदेश पर स्थगन लगा दिया गया था। जिसके बाद भी जिलें में नागपुर बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर ससुन्द्रा चेक पोस्ट आरटीओ चेक पाइंट लगाकर जमकर वसुली की जा रही है। एक ट्रक चालक देवेन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि वह भोपाल से नागपुर की ओर अपना डंपर लेकर जा रहा था जिसमें फैक्ट्री का सामान लोड था जिसे रोक लिया गया उससे 3 हजार रूपए की मांग की गई। मेरे द्वारा अपने मालिक से बात करवाने पर कहा गया था चुपचाप पैसे दो और अपनी गाडी निकाल लो नही तो चेक पोस्ट कर वाहन खड़ा करवा देगें। ड्राईवर के समझाने के बाद भी वसूली करने वालो द्वारा उसे लगभग 4 घंटे रोक कर रखा गया जिसके बाद उसे 1 हजार रूपए देने पर छोड़ा गया।जांच के नाम पर वसूली की जाती थी। ससुन्द्रा चेक पोस्ट पर बाहरी लोग खाकी ड्रेस पहनकर हाइवे पर वाहन रोकने कर चेक पोस्ट की ओर वाहन खडे करवाते है, जिससे अन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है।

इनका कहना है

उच्च न्यायालय के आदेशानुसार आरटीओ चेकपोस्ट बंद है, हाईवे पर चेकिंग पाइंट लगाकर वाहनों की जांच की जा रही है।

-अनामिका कोली, आरटीओ चेक पोस्ट प्रभारी, ससुंद्रा मुलताई

त्योहार सदर ईदगाह में मुख्य नमाज, सुरक्षा में तैनात रहे पुलिस कर्मी

ईद-उल-अजहा पर अदा की गई नमाज, मांगी अमन-चैन की दुआ

बैतूल। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को जिलेभर में उत्साह के साथ मनाया गया। शहर की सदर ईदगाह में मुख्य नमाज जामा मस्जिद के इमाम मौलाना जावेद चिश्ती ने पढ़ाई। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अता कर देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी, जिससे ईदगाह परिसर में आपसी सौहार्द और भाईचारे का नजारा दिखा। बैतूल शहर के अलावा सारणी, शाहपुर, आमला, मुल्ताई, भैंसदेही, बोरदही, आठनेर और चिचोली में भी शांतिपूर्ण माहौल में ईद की नमाज अता की गई। अंजुमन

इस्लामिया कमेटी के अध्यक्ष वसीम खान पाशु ने बताया कि शहर की कुल 11 मस्जिदों में पूर्व निर्धारित समय पर ही नमाज संपन्न हुई। सदर ईदगाह और गौसिया रहमानिया मस्जिद में सुबह 7.30 बजे, जामा मस्जिद कोठी बाजार और सदर मस्जिद में सुबह 8.30 बजे, गर्ग कॉलोनी और अहले-हदीस मस्जिद में सुबह 7 बजे, कादरिया मस्जिद (चक्कर रोड) सुबह 7.45 बजे, दारुल फलाह मस्जिद और माहदी मस्जिद (मुर्गी चौक) सुबह 8 बजे, हसनैन मस्जिद में सुबह 8.45 बजे, गंज मस्जिद में सुबह 9 बजे नमाज अता की गई। त्योहार के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। सदर ईदगाह सहित शहर की सभी प्रमुख मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। अकेले ईदगाह की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए 2 डीएसपी, 2 थाना प्रभारी, 3 सब इंस्पेक्टर और करीब 40 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

इदुल जुहा की नमाज के बाद अमन-चैन और भाईचारे की मांगी दुआ

सारनी। गुरुवार को ईदुल जुहा की नमाज जामा मस्जिद मे इमाम निजाम अली साहब ने अदा कराई। नमाज अदा करने के बाद गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी। इस मौके पर एसडीओपी प्रियंका करचाम, टीआई जयपाल इवनाती, नायब तहसीलदार संतोष पथौरिया ने सारनी, पाथाखेड़ा, शोभापुर बगडोना सहित अन्य स्थानों पर ईद की नमाज जायजा लिया। अंजुमन कमेटी जामा मस्जिद के अध्यक्ष रफी अहमद एवं सचिव अब्दुल रहमान खान ने बताया कि बकरीद की नमाज समय कुर्बानी की वजह से सुबह सात बजे 8.30 बजे तक रहता है। नमाज अदा करने के बाद बकरो की कुर्बानी की जाती है। उन्होंने कहा कि कुर्बानी का गोस्त का बडा हिस्सा गरीबो को बांटा जाता है, जिससे गरीब भी ईद का त्यौहार खुशियों के साथ मना सके। ईद की नमाज अदा करने के बाद गले मिलकर एक-दूसरे को बधाई देने के बाद अधिकांश मुस्लिम भाईयो ने कब्रिस्तान पहुंचकर मरहूम लोगो के लिए दुआ मांगी।

ताप विद्युत गृह से चोरी गया सामान गायब

पाथाखेड़ा। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में निर्माण कार्य के दौरान चोरी और सुरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्लांट के गेट नंबर-1 पर सुरक्षा विभाग ने मिट्टी से भरे एक डंपर की जांच के दौरान लगभग 10 किलो तांबे का स्क्रैप और बैटरी चालित कटर मशीन बरामद की। प्राथमिक जांच में मामला सुनियोजित चोरी का माना जा रहा है, क्योंकि कटर मशीन के जरिए प्लांट के भीतर केबल या धातु सामग्री काटे जाने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में 660 मेगावाट सुपर क्रिटिकल यूनिट का निर्माण कार्य चल रहा है, जहां विभिन्न ठेका कंपनियां कार्यरत हैं। प्लांट नियमों के तहत खुदाई में निकलने वाली किसी भी

धातु सामग्री को स्टोर में जमा कराना अनिवार्य है। इसके बावजूद डंपर में तांबा छिपाकर बाहर ले जाने की कोशिश ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी। थाना प्रभारी जयपाल इनवाती ने खुलासा किया कि सुरक्षा विभाग ने केवल दो संदिग्धों को थाने भेजा, जबकि बरामद तांबा और कटर मशीन पुलिस को सौंपे ही नहीं गए। ठोस जब्ती नहीं होने के कारण पुलिस चोरी की धारा में मामला दर्ज नहीं कर सकी और दोनों आरोपियों पर केवल सीआरपीसी की धारा 151 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। सुरक्षा अधिकारी सतपुड़ा ताप विद्युत गृह शरद राघव का कहना है कि दो युवकों को चोरी करते हुए पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया गया है तथा मामले में आगे कार्रवाई सारनी पुलिस के द्वारा की जाएगी।